Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-501

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018
B.A. (with Yoga Science) (Semester : Fifth)
Yoga Science (Paper : First)
Patanjal Yogsutra

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड–क
(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **अभ्यास – वैराग्य को विस्तार से समझाइये।**
   Explain 'Abhayas-Vairagya' in detail.
2. **महर्षि पतंजलि के अनुसार 'चित्त प्रसादन' के उपाय कौन–कौन से है?**
   According to Maharishi Patanjali , which are the methods of 'Chittaprasadhana'?
3. **'कर्म सिद्धान्त' की व्याख्या करें।**
   Explain the 'Theory of Krama'.
4. **योगसूत्र के अनुसार अष्टांग योग की व्याख्या करें।**
   Detail 'Ashtang Yoga' according to the yogasutra.
5. **ऋतम्भरा प्रज्ञा और विवेक ख्याति की पातंजल योगसूत्र के सन्दर्भ में व्याख्या करें।**
   Elaborate Ritambhara-Pragya and Vivek-khyati in reference of Patanjal yogasutra.

Section - B / खण्ड–ख
(Short Answer Type Questions) /(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. **(4×5=20)**

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **चित्त की भूमियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।**
   Write a short note on Chittabhumies.
2. **क्लेश के प्रकारों का वर्णन करें।**
   Describe the types of Kleshas.
3. **पातंजल योगसूत्र के यम और नियम पर चर्चा करें।**
   Discuss the yama and niyama of Patanjal yogasutra.
4. **सम्प्रज्ञात समाधि की अवस्थाओं का वर्णन करें।**
   Discuss the stages of Sampragyat Samadhi.

5. विभूति की अवधारणा को समझाइये।
   Explain the concept of Vibhuti.
6. कैवल्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे।
   Write a short note on Kaivalya.

Section - C / खण्ड–ग
(Objective Type Questions) /(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. **All** the questions of this section are compulsory. **(10×01=10)**

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'योगश्चित्तवृत्ति निरोधः' परिभाषा ..... में वर्णित है।
   (अ) श्रीमद्भगवद्गीता (ब) उपनिषद्
   (स) पातंजल योगसूत्र (द) हठप्रदीपिका
   The definition 'Yogaschittavritti Nirodhah' is describe in ……
   (A) Shrimad Bhagwadgeeta (B) Upanishad
   (C) Patanjal Yogasutra (D) Hathpradipika
2. ..... चित्त की अवस्था नहीं है ।
   (अ) मूढ़ (ब) क्षिप्त
   (स) निरूद्ध (द) स्मृति
   …….. is not a state of chitta.
   (A) Mudha (B) Kshipta
   (C) Niruddha (D) Smriti
3. चित्त का स्वरूप है .....
   (अ) जड़ (ब) चेतन
   (स) स्वप्रकाशक (द) द्रष्टा
   The nature of Chitta is ……
   (A) Unconscious (B) Conscious
   (C) Self-enlightened (D) Seer
4. निम्न में–से प्रमाण वृत्ति है .....
   (अ) प्रत्यक्ष (ब) अनुमान
   (स) आगम (द) उपर्युक्त सभी
   Which of the following is a pramana vritti …….
   (A) Pratyaksha (B) Anumana
   (C) Aagama (D) All of the above
5. पातंजल योगसूत्र के अनुसार, किस प्रकार के कर्म योगी के कर्म हैं .....
   (अ) शुक्ल कर्म (ब) कृष्ण कर्म
   (स) शुक्ल–कृष्ण कर्म (द) अशुक्ल–कृष्ण कर्म
   According to patanjal yogsutra, which types of karma is the yogi's Karma ……
   (A) Shukla Karma (B) Krishna Karma
   (C) Shukla-Krishna Karma (D) Ashukla-Akrishna Karma
6. 'आयाम' शब्द का अर्थ है .....
   (अ) प्रकार (ब) नियमन
   (स) पहलू (द) मापन
   The word 'Ayama' means ……
   (A) Variety (B) Regulation
   (C) Dimention (D) Measurement
7. महर्षि पतंजलि के अनुसार नियम है .....
   (अ) मैत्री (ब) धैर्य
   (स) अस्तेय (द) संतोष

According to Maharishi Patanjali, Niyama is ……

(A) Friendliness
(B) Patience
(C) Non-Stealing
(D) Contentment

8. अष्टांग योग ..... का घटक है ै।

(अ) राजयोग का
(ब) भक्तियोग का
(स) कर्मयोग का
(द) इनमें से कोई नहीं

Ashtanga Yoga is the component of …….

(A) Rajayoga
(B) Bhaktiyoga
(C) Karmayoga
(D) None of these

9. पातंजल योगसूत्र के द्वितीय पाद का क्या नाम है ?

(अ) साधन पाद
(ब) समाधि पाद
(स) कैवल्य पाद
(द) विभूति पाद

What is the name of the second chapter of Patanjal yogasutra?

(A) Sadhana Pada
(B) Samadhi Pada
(C) Kaivalya Pada
(D) Vibhuti Pada

10. पातंजल योगसूत्र के अनुसार किसका संयोग दुःख का कारण है .....

(अ) दृष्टा और गुण
(ब) दृष्टा और चित्त
(स) दृष्टा और दृश्य
(द) जीवात्मा और परमात्मा

According to patanjal yogsutra, the cause of suffering is the association of ……..

(A) Drashta and Guna
(B) Drashta and Chitta
(C) Drashta and Drishya
(D) Jeevatma and Parmatma

----------x----------